एक नजर में

सड़क हादसे में बुजुर्ग महिला की मौत

इंदौर . गांधी नगर इलाके में देर रात के समय एक दर्दनाक बाइक हादसे में 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत हो गई, जबकि उनका 17 वर्षीय पोता घायल हुआ है . हादसा पितृ पर्वत क्षेत्र के पास हुआ . 17 वर्षीय यश राठौर अपनी दादी शांताबाई पति धनसिंह राठौर को बुढानिया स्थित उनके पुराने घर छोड़ने जा रहा था . रात करीब 11 बजे बाइक फिसल गई और दोनों सड़क पर गिर पड़े . राहगीरों की मदद से उन्हें एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया . यश को उपचार के लिए भर्ती किया है . परिवार के लोगों ने पुलिस को बताया कि यश अपने माता-पिता के साथ जय भवानी नगर में रहते हैं . बुढानिया में दादी-दादाजी का मकान निर्माणाधीन है . शनिवार को इलाके में भंडारे का आयोजन था, जिसमें दादी को यश के पिता लेकर आए थे . रात में यश को पिता ने बाइक देकर घर छोड़ने भेजा था . यश वर्तमान में 10वीं कक्षा का छात्र है . पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है और संभावित कारणों की पड़ताल की जा रही है .

ब्राउन शुगर तस्करी में फरार आरोपी राजस्थान से गिरफ्तार

इंदौर . क्राइम ब्रांच की सतत कार्रवाई के तहत अवैध मादक पदार्थ ब्राउन शुगर के प्रकरण में एक और फरार आरोपी को राजस्थान के निंबाहेड़ा से गिरफ्तार किया है . आरोपी अकरम खान पर पूर्व में राजस्थान में तीन अपराध दर्ज है . एडीसीपी क्राईम राजेश दंडोतिया ने बताया कि आरोपी को मुखबिर सूचना और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर ट्रेस किया . पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह सस्ते दामों पर मादक पदार्थ खरीदकर नशे के आदी लोगों को महंगे दामों पर बेचता था . क्राइम ब्रांच टीम पहले भी इस प्रकरण में 23 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है . अब आरोपी अकरम के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है .

इंदौर-कोटा एक्सप्रेस प्रभावित

इंदौर . पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल में कोटा रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म संख्या 2 पर निर्माण कार्य के चलते प्रस्तावित ब्लॉक के कारण एक ट्रेन प्रभावित होगी . रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी खेमराज मीना ने बताया कि 8 अक्टूबर 2025 तक इंदौर से चलने वाली गाड़ी संख्या 22984 इंदौर-कोटा एक्सप्रेस को सोगरिया रेलवे स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा . इसके बाद सोगरिया से कोटा के बीच यह गाड़ी निरस्त रहेगी .

आरएसएस के पथ संचलन में बरसाए फूल

महू . महू के शहरी क्षेत्रों में भी कई स्थानों पर आरएसएस के संचलन निकाले गए . पथ संचलन के मार्ग को भगवा ध्वज से सजाया गया था . यातायात व्यवस्था के लिए विशेष योजना बनाई गई थी ताकि आम जनता को कोई असुविधा न हो . स्वयंसेवकों के अनुशासन और प्रशासन के सहयोग से पूरे कार्यक्रम को सुव्यवस्थित रूप से संचालित किया गया . महू में रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन निकाला गया . इसमें शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के बड़ी संख्या में स्वयंसेवक शामिल हुए . संचलन की शुरुआत ड्रीमलैंड चौराहे पर स्थित गैरिसन मैदान से हुई। इससे पहले, आरएसएस पदाधिकारियों ने बौद्धिक दिया . इसके बाद संचलन शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरा . शहर भर में जगह-जगह मंच लगाकर लोगों ने पुष्प वर्षा कर संचलन का स्वागत किया . सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल भी तैनात रहा . राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयं सेवकों के कर्तव्य पथ संचलन के दौरान भारतीय जनता पार्टी डॉ अंबेडकर नगर महू द्वारा विधायक उषा जी ठाकुर व जिला अध्यक्ष श्रवण चावडा के मार्गदर्शन व महेश बागड़ी के नेतृत्व में मोती महल चौराहे पर पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत व अभिनंदन किया . महेश बागड़ी ने कहा कि संघ का यह सौ वर्ष का स्वर्णिम सफर राष्ट्र निर्माण, सेवा, त्याग और संस्कारों के उच्चतम आदर्शों का प्रतीक है . इस अवसर पर मुख्य रूप से सुनील तिवारी, वीरेंद्र आंजना, विजय श्रीवास, डॉ नरेंद्र शर्मा, सुधीर गोडाले, मन्नू पहलवान, बीके कौशल, राजू खनूजा, रणजीत स्वामी, श्याम अग्रवाल, संगीता चौरसिया, रानी यादव, सविता यादव, सरोज नीम . सिममि खान . माही खान, चंदा निम आदि उपस्थित थे .

मेडिकैप्स स्कूल के खिलाड़ियों को गोल्ड कप व स्वर्ण पदक

महू . यूथ स्पोर्टस द्वारा आयोजित 10वीं आल इंडिया नेशनल चैंपियनशिप फुटबॉल प्रतियोगिता का 2 से 4 ऑक्टोबर इंदौर शहर में आयोजित किया गया . जिसमें पूरे भारत से मध्यप्रदेश, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, चेन्नई, पंजाब, पुणे, उत्तराखंड, असम, महाराष्ट्र, मुंबई (कल्याण), नासिक, मध्यभारत, झारखंड, नागपुर, राजस्थान, केरल, हैदराबाद शहर की टीमों ने हिस्सा लिया और जिसमे मध्य प्रदेश की अंडर 09 की टीम से मेडिकैप्स इंटरनेशनल स्कूल के खिलाड़ियों द्वारा हिस्सा लिया गया . अंडर-09 की टीम ने क्वार्टर फाइनल नागपुर से 1-0 से, सेमी फाइनल मैच मे गुजरात विरुद्ध मध्य प्रदेश के मध्य खेला गया . जिसमें मैच 0-0 से बराबर रहा . मैच का निर्णय पेनाल्टी शूट आउट के मध्यम 2- 1 से विजय हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया . फाइनल मुकाबला ईवा वर्ल्ड मुंबई (कल्याण) विरूद्ध मध्य प्रदेश की टीम के मध्य खेला गया, जिसमे मध्य प्रदेश टीम ने 1-0 से विजय हासिल की . इनकी इस उपलब्धि पर स्कूल प्रबंधन, प्राचार्य योगेश्वरी राठौर, स्कूल खेल अधिकारी भावेश बुंदेला व अन्य प्रशिक्षक द्वारा इस टीम के कोच आशीष सेन को इनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी .

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने मारी कार को टक्कर

इंदौर . जूनी इंदौर थाना क्षेत्र के माणिकबाग ब्रिज पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार ने सामने चल रही कार को जोरदार टक्कर मार दी . फरियादी 35 वर्षीय नितिन सचदेव, निवासी गुरुनानक कॉलोनी ने पुलिस को बताया कि एक सफेद बिना नंबर की स्कॉर्पियो के चालक ने वाहन को तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए उनकी कार को पीछे से टक्कर मारी . टक्कर से कार की डिक्की, बंपर, कांच और टायर क्षतिग्रस्त हो गए . मौके पर चालक को रोका जिसने अपना नाम वरुण वैद, निवासी नंदा नगर बताया . पुलिस ने उसके खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरु की .

बुजुर्ग के घर से तीन लाख के जेवर चोरी

इंदौर . अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र के महावर नगर में अज्ञात चोरों ने एक मकान को निशाना बनाकर लाखों के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया . फरियादी 65 वर्षीय ग्यारसी वर्मा ने पुलिस को बताया कि देर रात के बीच किसी ने घर में घुसकर सोने की चैन, चूड़ी, दो जोड़ी टॉप्स, कान की चेन, चांदी के जेवर और नकदी चोरी कर ली . चोरी गए सामान की कीमत करीब तीन लाख रुपए बताई गई है . फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू की है .

राजस्थान, हरियाणा से आकर इंदौर में करते थे चोरी

- उकनाडिया पुलिस ने अंतरराज्यीय नकबजन गिरोह को किया गिरफ्तार
- करते थे हाईटेक चोरी, गूगल सर्च व डोंगल से बचते थे पुलिस की पकड़ से

नव भारत न्यूज

इंदौर. कनाडिया पुलिस ने ऐसे अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है जो राजस्थान और हरियाणा से इंदौर आकर चोरी की वारदातों को अंजाम देता था. ये शातिर आरोपी पुलिस की निगरानी से बचने के लिए मोबाइल डोंगल से इंटरनेट चलाते थे, जिससे उनकी लोकेशन ट्रेस न हो सके. यहां तक कि वारदात से पहले गूगल मैप और वाक-अप कॉल का इस्तेमाल कर इलाके की स्थिति और भागने के रास्ते तक खंगालते थे.

एडीसीपी अमरेन्द्र सिंह ने बेताया कि कनाडिया पुलिस ने गिरोह के मुख्य सदस्य सतपाल फौजी और उसके साथियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों से करीब 16 लाख रुपए का माल बरामद किया है. सतपाल फौजी हरियाणा का रहने वाला है और उसके खिलाफ राजस्थान, पंजाब, दिल्ली और हरियाणा में 40 से अधिक अपराध दर्ज हैं, जिनमें बैंक डकैती और नकबजनी जैसी बड़ी वारदातें शामिल हैं. आरोपी इंदौर आने के लिए हरियाणा नंबर की आई-10 नियो कार का इस्तेमाल करते थे, जिससे वे राज्य सीमाओं पर टोल से बच निकलते थे. वे चोरी के लिए आमतौर पर पीस कॉलोनी, स्कीम नंबर 114 और कनाडिया क्षेत्र को टारगेट करते थे. गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों के ठिकानों से सोने-चांदी के गहने, नकदी और चोरी में प्रयुक्त उपकरण जब्त किए हैं. पूछताछ में उन्होंने कई अन्य वारदातों का खुलासा भी किया है.

लंबे समय से सक्रिय था गिरोह

अमरेन्द्र सिंह ने बताया कि यह गिरोह लंबे समय से सक्रिय था और इसके तार हरियाणा व राजस्थान के कई जिलों से जुड़े हैं . मुख्य आरोपी सतपाल फौजी पूर्व सैनिक बताया जा रहा है और गिरोह का संचालन वही करता था .

ड्रग्स माफिया पुलिस की सख्ती के बाद अब नाबालिगों से बिकवा रहे ड्रग्स

- शहर में नशे का नेटवर्क बदल रहा रूप
- तस्कर बना रहे बच्चों और महिलाओं को मोहरा

नव भारत न्यूज

इंदौर. पुलिस की सख्ती और लगातार कार्रवाई के बाद अब शहर के ड्रग्स तस्करों ने नया तरीका अपना लिया है. पुलिस की नज़रों से बचने के लिए अब ये गैंग नाबालिग बच्चों और महिलाओं के माध्यम से नशे की बिक्री करा रहे हैं. पिछले कुछ महीनों में ऐसे एक दर्जन से अधिक मामले सामने आ चुके हैं.

हाल ही में भागीरथपुरा क्षेत्र से पुलिस ने गौरव यादव को ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया. उसके पहले कुछ नाबालिगों को पकड़ा था, जिन्होंने पूछताछ में उसका नाम बताया था. इसी तरह, आजाद नगर पुलिस ने कुछ दिन पहले कुख्यात महिला पैडलर पंगुबाई को गिरफ्तार किया था, जिसके खिलाफ पहले से ही 31 केस दर्ज हैं. पंगुबाई भी इलाके में बच्चों से नशा बिकवाती थी. क्राइम ब्रांच की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल अब तक दर्जनों नाबालिग पुलिस के हत्थे चढ़ चुके हैं, जिन्हें तस्कर छोटी-मोटी डिलीवरी में लगाते हैं.

इनमें से ज्यादातर आरोपी शहर के पुराने बदमाश हैं, जो अब ड्रग्स नेटवर्क चला रहे हैं. इसके अलावा बड़ी संख्या में महिलाएं भी इस अवैध कारोबार में सक्रिय हैं. बीते पंद्रह दिनों में पुलिस ने पंगुबाई, सीमा नाथ के अलावा द्वारकापुरी थाना क्षेत्र से सिमरन कौर को अल्प्राजोलम गोलियों की खेप के साथ और तेजाजी नगर पुलिस ने एक गुंडे की पत्नी को गांजे की खेप के साथ एक्टिवा पर पकड़ा था. एडीसीपी राजेश दंडोतिया का कहना है कि ड्रग्स नेटवर्क को तोड़ने के लिए अब डिलीवरी चेन में शामिल नाबालिगों और महिलाओं की निगरानी बढ़ाई जा रही है.

पटाखा गोदाम में मिला एसिड और फिनाइल का जखीरा

- बिना लाइसेंस चल रहा था कारोबार
- तहसीलदार ने गोडाउन सील कर जब्त किए सिलेंडर

नव भारत न्यूज

इंदौर. दीवाली त्योहार के पहले पटाखा गोदामों पर प्रशासन की सख्ती बढ़ गई है. कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर चल रही जांच में बिचौली हप्सी इलाके में स्थित एक गोदाम से एसिड और फिनाइल का जखीरा मिला है. वहीं, जिस व्यक्ति के नाम पर गोदाम था, उसके पास पटाखा कारोबार का लाइसेंस तक नहीं था. मौके पर अग्निशामक यंत्र पुराने मिले और पानी के ड्रम खाली पड़े थे.

तहसीलदार देवेंद्र कछावा ने बताया कि देर रात कार्रवाई करते हुए गोडाउन पर छापा मारा. जांच के दौरान पाया कि गोदाम में एसिड, फिनाइल और सिलेंडर रिफिलिंग का काम भी किया जा रहा था. गोदाम मालिक के पास न तो विस्फोटक अधिनियम के तहत अनुमति थी और न ही आग से बचाव के आवश्यक इंतजाम. खिड़कियों पर सुरक्षा जालियां तक नहीं थीं. तहसीलदार ने मौके से सिलेंडर जब्त कर गोडाउन सील कर दिया. अमले ने जब मालिक दीपक पिता जमनादास बालचंदानी से संपर्क किया तो उसका बेटा दीपक बालचंदानी और भाई हर्षित बालचंदानी मौके पर पहुंचे. पूछताछ में वे कोई वैध दस्तावेज या लाइसेंस नहीं दिखा सके. तहसीलदार ने पंचनामा बनाकर गोडाउन को सील कर दिया और मामले की रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेज दी.

भाजपा नेता के बेटों ने नाबालिग को पीटा

- चौकी में छुपकर बचाई जान

इंदौर. शहर में दबंगई और राजनीतिक रसूख का खौफ इस कदर है कि नाबालिग को पिटाई के बाद पुलिस चौकी में जाकर छिपना पड़ा. आरोप है कि भाजपा नेता के बेटों ने अपने साथियों के साथ युवक को बुरी तरह पीटा और चाकू से हमला किया, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट लिखने में 12 घंटे लगा दिए. फरियादी पक्ष का कहना है कि भाजपा नेता और विधायक से जुड़ाव के चलते पुलिस ने शुरुआत में कार्रवाई से परहेज किया.

लसूड़िया पुलिस ने तीन अक्टूबर को हुई घटना के आधार पर 17 वर्षीय साहिल पंवार निवासी वीएस-4, पानी की टंकी के पास की शिकायत पर निरंतक सुर्वे, नैतिक सुर्वे, गौरव गुर्जर और

अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है. फरियादी ने पुलिस को बताया कि वह घर के पास खड़ा था, तभी पार्थ नामक युवक आया और बताया कि निरंतक बुला रहा है, साहिल स्कीम नंबर 78 स्थित संगीत कला अकादमी पहुंचा, जहां निरंतक ने आरोप लगाया कि उसने उसके छोटे भाई को मारा है. साहिल के इंकार करते ही निरंतक और उसके आठ-दस साथियों ने मिलकर उस पर हमला कर दिया. चाकू से वार किया, जो उसकी पीठ पर लगा. साहिल पास ही स्थित पुलिस चौकी की ओर भागा, लेकिन वहां कोई नहीं था. उसने अंदर घुसकर दरवाजा बंद कर अपनी जान बचाई. उसके शोर मचाने पर हमलावर भाग निकले.

सीएम हेल्पलाइन पर की शिकायत

घायल साहिल जब थाने पहुंचा तो पुलिस ने पहले उसकी बात पर ध्यान नहीं दिया . बाद में सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत की, तब जाकर रिपोर्ट दर्ज हुई . मामले में पुलिस जांच कर रही है .

ऑनलाइन फ्रॉड के खिलाफ क्राइम ब्रांच को मिली बड़ी कामयाबी

- पीड़ितों को लौटाए 11 करोड़ से ज्यादा
- 200 फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट किए ब्लॉक

नव भारत न्यूज

इंदौर. सायबर अपराधों पर अंकुश लगाने में इंदौर क्राइम ब्रांच ने इस वर्ष बड़ी सफलता हासिल की है. इस वर्ष अब तक क्राइम ब्रांच की फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन टीमों ने ऑनलाइन ठगी के शिकार लोगों को अब तक 11 करोड़ 30 लाख 32 हजार 919 रुपए से अधिक की राशि वापस कराई है.

एडीसीपी क्राईम राजेश दंडोतिया ने बताया कि जनवरी से सितंबर 2025 के बीच करीब 3,500 सायबर फ्रॉड शिकायतें प्राप्त हुईं. इनमें से अनेक मामलों में तुरंत कार्रवाई कर ठगी गई राशि आवेदकों को लौटाई गई. जहां फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन सेल ने कार्रवाई के दौरान हजारों फर्जी बैंक खातों को फ्रीज कराया वहीं 100 से अधिक हैक किए गए. फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट भी रिकवर कराए. जबकि 200 से अधिक फर्जी अकाउंट जो लोगों के नाम व फोटो से बनाए गए थे, ब्लॉक करवा दिए. दंडोतिया ने बताया कि ऑनलाइन फ्रॉड की अधिकांश शिकायतें इन्वेस्टमेंट और ट्रेडिंग ऐप्स, फर्जी टास्क या गेमिंग साइट्स से जुड़ी रही हैं. इसके अलावा बैंक अधिकारी बनकर केव्हायसी अपडेट, रिवॉर्ड प्वाइंट रिडीम या क्रेडिट कार्ड लिमिट बढ़ाने के नाम पर ठगी के मामले भी बड़ी संख्या में सामने आए. वहीं कुछ मामलों में परिचित या रिश्तेदार बनकर भी ठगों ने लोगों को झांसे में लिया.

> **जनवरी से सितम्बर तक हर माह की गई रिफंड राशि**
> जनवरी में 70 .32 लाख, फरवरी में 81 .95 लाख, मार्च में 60 .10 लाख, अप्रैल में 61 .54 लाख, मई में 1 .73 करोड़, जून में 1 .86 करोड़, जुलाई में 1 .78 करोड़, अगस्त में 1 .49 करोड़, सितंबर में 1 .68 करोड़ की राशि वापस कराई गई .

क्राइम ब्रांच द्वारा सायबर जागरूकता अभियान के तहत अब तक लाखों लोगों को ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव के तरीके बताए जा चुके हैं. पुलिस का कहना है कि बढ़ती तकनीकी ठगी से बचाव के लिए नागरिकों में सतर्कता ही सबसे बड़ा हथियार है.

मां की फटकार से आहत बेटे ने फांसी लगाई

- दोस्तों संग शराब पीकर घर लौटा था शुभम
- सात माह पहले हुई थी शादी

नव भारत न्यूज

इंदौर. घर में मामूली डांट-फटकार ने एक परिवार की खुशियां उजाड़ दीं. शराब पीकर घर लौटे बेटे को मां ने फटकार लगाई तो वह बातों से आहत हो गया और फांसी लगाकर जान दे दी. मृतक की शादी को सात महीने ही हुए थे.

घटना शुक्रवार रात की है. 28 वर्षीय शुभम पिता जमनाप्रसाद निवासी इंदौर ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी, उसे सबसे पहले पिता ने फंदे पर लटका देखा तो चीख निकल गई. सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था. परिवार के सदस्यों ने पुलिस को बताया कि शुभम स्कूल की वैन चलाता था, जबकि उसके पिता एक निजी कंपनी में ड्राइवर हैं. उसकी पत्नी एक दिन पहले ही मायके गई थी. बताया गया कि पत्नी के मायके जाने के बाद शुभम ने दोस्तों के साथ शराब पी और घर लौटा. इस पर मां ने उसे फटकार लगाई और बात करना बंद कर दिया. इसी बात से आहत होकर शुभम ने देर रात यह कदम उठा लिया.

पतंगबाज़ी के दौरान चाइनीज़ मांझा बन रहा खतरा

- सिपाही ने दिखाई जिम्मेदारी

नव भारत न्यूज

इंदौर. पतंग उड़ाना हमारी परंपरा और त्योहारों का अहम हिस्सा है, लेकिन चाइनीज़ मांझा यानि ग्लास कोटेड नायलॉन धागा इस खेल को खतरनाक बना रहा है. हाल ही में शहर के एक चौराहे पर यातायात सिपाही सुमंत सिंह ने गिरी हुई पतंग में चाइनीज़ मांझा देखकर उसे तुरंत इकट्ठा कर सुरक्षित स्थान पर रखा, ताकि किसी राहगीर या वाहन चालक को चोट न लगे.

इसके बाद सिपाही ने सोशल मीडिया पर एक जागरूकता वीडियो भी शेयर किया, जिसमें उन्होंने लोगों से चाइनीज़ मांझा का उपयोग न करने की अपील की. यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और लोग सिपाही की इस पहल की सराहना कर रहे हैं. वहीं पुलिस और स्वास्थ्य अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि चाइनीज़ मांझा न केवल पक्षियों के लिए खतरनाक है बल्कि राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए भी घातक हो सकता है. पिछले वर्षों में इस धागे के कारण गले, हाथ और चेहरे पर गंभीर चोटें और कई मौतें हुई हैं. ज्ञात हो कि प्रशासन द्वारा ऐसे धागों का कानूनी रूप से उपयोग प्रतिबंधित है, वहीं इसे बेचने या इस्तेमाल करने पर दंडनीय कार्रवाई की जा सकती है. यातायात सिपाही सुमंत सिंह ने आमजन से आग्रह किया है कि त्योहारों और मकर संक्रांति के मौके पर पतंगबाज़ी का असली आनंद सुरक्षित और पारंपरिक धागों के साथ ही लें, ताकि खेल का मज़ा दूसरों को नुकसान पहुँचाए बिना लिया जा सके.

समस्या | मामला वार्ड 85 के प्रजापति नगर के मुख्य मार्ग का, हो सकता है हादसा

सड़क किनारे गड्ढे के पास नहीं है सुरक्षा के इंतजाम

इंदौर. निगर निगम अपनी सुस्ती के चलते पहले तो विकास कार्य में विलंब करती है, जिससे लोगों को कई असुविधाओं का सामना करना पड़ता है और दूसरा यह कि जब निर्माण कार्य करती है तो उसमें घोर लापरवाही करती है जिससें कई अनहोनी होती है जिससे कई लोग अपनी जाने भी गवां चुके हैं. फिर भी नगर निगम अपनी आदतों में सुधार नहीं लाती.

फूटी कोठी क्षेत्र में आने वाला वार्ड क्रमांक 85 में विकास कार्य के दौरान लापरवाही का ऐसा ही एक मामला सामने आया है. वार्ड के प्रजापति नगर का मुख्य मार्ग जिससे आसपास की छः-सात कॉलोनियां जुड़ती है. यह मार्ग पिछले कई वर्षों से जर्जर हालातों में पड़ा हुआ है. सैकड़ों छोटे-बड़े गड्ढों ने राहगिरों का चलना दुभर कर रखा था. नवभारत ने इस समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया था. आज जब दस वर्ष बाद इस मार्ग का कार्य हो रहा है तो नगर निगम के अधिकारी कई तरह की लापरवाही कर रहे हैं. सड़क कार्य के दौरान एक बड़ा गड्ढा किया गया है जिसमें बरसात का पानी भरा हुआ रहता है. नगर निगम के अधिकारियों ने इसे नज़रअंदाज़ किया है. न तो इस बड़े से गड्ढे से पानी निकाला गया है और न ही गड्ढे को मिट्टी डालकर बंद किया गया. इतना ही नहीं इसके आस-पास सुरक्षा के कोई इंतज़ाम नहीं किए गए. यह बड़ा सवाल है कि क्या नगर निगम प्रशासन कोई बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है क्योंकि अक्सर घटना होने के बाद ही अधिकारियों की नींद खुलती है और वहां आनन-फानन में बंदोबस्त करते हैं.

इनका कहना है...

गड्ढा खोद कर छोड़ दिया . कोई सुनता ही नही है पार्षद को भी कहां लेकिन कुछ नही हुआ मैं खुद गड्ढें में गिर चुका हूं गनिमत कोई अनहोनी नहीं हुई .
- कुंवर लाल

यह गड्ढा सावन के पहले से खोदा गया है . खुला होने से खतरा है . रात के अंधेरे में यह दिखाई नही देता . स्कूल के बच्चे भी यहां से निकलते हैं .
- हरि सिंह

सुरक्षा के लिए सभी गड्ढों के आसपास कुछ लगा देना चाहिए . जल्दी इस सड़क का कार्य कर देना चाहिए ताकि आने-जाने वाले लोगों की परेशानी खत्म हो .
नानू राम